विस्तृत रूपरेखा

I. यरूशलेम की शहरपनाह का पुनर्निर्माण के प्रति समर्पण (1-7)

A. बुरी खबर के प्रति नहेम्याह का प्रत्युत्तर (1:1-11)
   1. प्रस्तावना (1:1)
   2. यहूदा से बुरी खबर (1:1-3)
   3. नहेम्याह की प्रतिक्रिया तथा प्रार्थना (1:4-11)
   4. नहेम्याह का पद (1:11)

B. नहेम्याह का यरूशलेम को लौटना (2:1-10)
   1. शहरपनाह पुनर्निर्माण की अनुमति दिया जाना (2:1-8)
   2. यहूदा की ओर नहेम्याह की यात्रा (2:9, 10)

C. यरूशलेम की शहरपनाह पर नहेम्याह के कार्य का आरंभ (2:11-20)
   1. नहेम्याह का यरूशलेम की शहरपनाह का अवलोकन (2:11-15)
   2. नहेम्याह द्वारा लोगों को योजना की प्रस्तुति (2:16-18)
   3. विरोध का आरंभ (2:19, 20)

D. शहरपनाह के निर्माता (3:1-32)

E. बिना किसी कारण नहेम्याह का विरोध (4:1-23)
   1. कार्य का ठट्ठा किया जाना (4:1-6)
      a. शत्रु की योजना (4:1-3)
      b. नहेम्याह का प्रत्युत्तरः प्रार्थना और कार्य (4:4-6)
   2. सेना की धमकी (4:7-10)
   3. औचक आक्रमण की योजना और उसे विफल किया जाना (4:11-15)
   4. नहेम्याह की शहरपनाह को बचाने की योजना (4:16- 23)

F. नहेम्याह के लिए आंतरिक समस्या (5:1-19)
   1. समस्याः गरीबों का शोषण (5:1-5)
   2. समाधानः अभ्यास बदलना, शुभ लाभ स्थापित करना (5:6-13)
   3. उदाहरणः परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करना (5:14-19)

G. शत्रु पराजित हुए और शहरपनाह का कार्य संपन्न हुआ (6:1-19)
   1. पहली साज़िशः "बाहर निकलो और अपने शत्रुओं से सम्मति करो" (6:1-9)
   2. दूसरी साज़िशः "अपने शत्रुओं से बचने के लिए मन्दिर में भागो" (6:10-14)
   3. शहरपनाह का निर्माण पूर्ण होना (6:15, 16)

4. शत्रुओं के यहूदी मित्रों द्वारा नहेम्याह का विरोध (6:17-19)

H. यरूशलेम को सुरक्षित करना और पुनः बसाना (7:1-73)
   1. नगर को सुरक्षित रखने के लिए उपाय किया जाना (7:1-3)
   2. उजाड़ पड़े नगरों के लिए समाधान (7:4, 5)
   3. जरूबाब्बेल के साथ लौटने वालों की सूची (7:6-73)
      a. प्रधान (7:6, 7)
      b. "आम जनता" (7:7-38)
      c. मन्दिर के लिए समर्पण किया जाना (7:39-60)
         (1) याजक (7:39-42)
         (2) लेवी (7:43-45)
         (3) मन्दर के सेवक (7:46-60)
      d. बिना योग्यता वाले लोग (7:61-65)
      e. कुल योग (7:66-69)
      f. मन्दिर के लिए चन्दा (7:70-73)
   4. सातवें महीने का आरंभ (7:73)

II. वाचा का नवीनीकरण करने के प्रति समर्पण (8-13)

A. वाचा का नवीनीकरण करने के लिए एज्रा की तैयारी (8:1-18)
   1. व्यवस्था सुनाया जाना (8:1-8)
   2. व्यवस्था सुनाए जाने का परिणाम (8:9-12)
   3. झोपड़ियों का पर्व (8:13-18)

B. वाचा का नवीनीकरण किया जाना (9:1-10:39)
   1. तैयारीः व्यवस्था का पढ़ा जाना और पापांगीकार (9:1-5)
   2. उनके इतिहास की समीक्षा (9:6-38)
      a. सृष्टि (9:6)
      b. अब्राहम की बुलाहट (9:7, 8)
      c. मिस्र से छुटकारा (9:9-12)
      d. व्यवस्था दिया जाना (9:13, 14)
      e. जंगल में भ्रमण (9:15-21)
      f. कनान देश पर विजय (9:22-25)
      g. न्यायी और राजा (9:26-31)
      h. दया की याचना (9:32-37)
      i. वाचा बांधे रहने की प्रतिज्ञा (9:38)
   3. वाचा में लिखे गए नाम (10:1-27)
      a. अधिपति और याजक (10:1-8)
      b. लेवी (10:9-13)
      c. प्रधान (10:14-27)
   4. वाचा का प्रतिबंध (10:28-39)

a. व्यवस्था मानना (10:28-31)
b. मन्दिर की सेवा में सहयोग करना (10:32-39)

C. वाचा का पालन सुनिश्चित करने के उपाय (11:1-12:47)
1. यरूशलेम और यहूदा के नए निवासी (11:1- 36)
a. यरूशलेम पुनः बसाया जाना (11:1, 2)
b. यरूशलेम के निवासी (11:3-24)
(1) प्रान्त के मुख्य-मुख्य पुरूष (11:3)
(2) यहूदा और बिन्यामीन के पुत्र (11:4-9)
(3) याजक (11:10-14)
(4) लेवी, द्वारपाल, और मन्दिर के सेवक (11:15-23)
(5) राजा के प्रतिनिधि (11:24)
c. अन्य नगरों में रहने वाले यहूदी (11:25-36)
2. याजकों एवं लेवियों की सेवा (12:1-26)
3. शहरपनाह की प्रतिष्ठा (12:27-43)
a. तैयारी (12:27-30)
b. शोभायात्रा (12:31-39)
c. समारोह (12:40-43)
4. याजकों और लेवियों के लिए प्रावधान (12:44-47)

D. वाचा लागू करना (13:1-31)
1. गैर-यहूदियों का अलगाव (13:1-3)
2. नहेम्याह के सुधार (13:4-29)
a. मन्दिर की कमरे का शुद्धिकरण (13:4-9)
b. मन्दिर के कार्यकर्ताओं के दशवांश का पुनर्निर्धारण (13:10-14)
c. विश्रामदिन लागू किया जाना (13:15-22)
d. मिश्रित विवाह वर्जित ठहराया जाना (13:23-29)
3. सारांश तथा प्रार्थना (13:30, 31)